| | |
|---|---|
| 22-07/22 | पत्रावली पेश हुई। आवाजें लगवायी गयी। बार-बार आवाजें लगवाये जाने के बावजूद पक्षकार उपस्थित नहीं। जिससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि वाद में पक्षकार की रुचि नहीं है। अतः वाद पत्र इसी स्टेज पर अदम हाजरी एवं अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली नतीजा में शुमार होकर बाद जाब्ता दाखिल दफ्तर हो। |

Signature Not Verified
Digitally signed by Ashok Kumar
Date: 2022.06.20 18:16:08 IST
Reason: SelfAttested